LOK SABHA

Thursday, March 28, 1974/Chaitra 7, 1896 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR DEPUTY SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

इंडियन कापर कारपोरेशन के श्रमिकों की मांगें

*486 **श्री रामावतार शास्त्री** क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या इंडियन कापर कारपोरेशन वकम यूनियन, मऊभंडार ने मैसर्स हिन्दुस्तान कापर लिमिटेड इंडियन कापर कम्पनक्स मऊभंडार के मैनेजर को गत 26 फरवरी को कोई पन्द्रह सूत्री मांग-पत्र प्रषित किया है,

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है,

(ग) क्या यूनियन ने मांग पत्र के साथ प्रबन्धकों को हड़ताल का नोटिस भी दिया है और

(घ) यदि हां तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI SUBODH HANSDA) (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir

(b) The demands include

(i) A minimum wage of Rs 350 at All India Price Index of 200 (Base-1960).

(ii) Revision of grades.

(iii) Modification of Incentive Schemes.

(iv) Promotion on the basis of seniority

(v) Improvement in the terms and conditions of service of Contractors' employees

(vi) Guaranteed supply of all essential commodities at subsidised rates

(vii) Reinstatement of one dismissed employee

(c) Yes, Sir

(d) Indian Copper Corporation Workers' Union Maubhandar is an unrecognised Union which is attempting to reopen a comprehensive settlement covering wages and terms and conditions of service signed by the Management with the recognised Unions viz Maubhandar Mazdoor Union and Mosaboni Mines Labour Union as recently as August, 1973 valid upto 31st August, 1975

श्री रामावतार शास्त्री उपाध्यक्ष महोदय क्या यह सच है कि बिहार के मऊभंडार स्थित मैसर्स हिन्दुस्तान कापर लिमिटेड के अधीन काम करने वाले मजदूरों को पहले 195 रुपये वेतन मिलता था जब कि जमशेदपुर के मजदूरों को 200 रुपये वेतन मिलता था यानी उन से केवल 5 रुपये कम ? क्या यह भी सच है कि अब जबकि जमशेदपुर के मजदूरों को 325 रुपये प्रति-मास मिल रहे हैं मैसर्स हिन्दुस्तान कापर लिमिटेड के मजदूरों को केवल 255 रुपये प्रति-मास मिलते हैं यानी 70 रुपये कम—पहले 5 रुपये कम मिलते थे और अब 70 रुपये कम मिलते हैं यदि हां, तो इस बड़े अन्तर का क्या कारण है ?

SHRI SUBODH HANSDA Sir, the hon Member is not correct to say that the workers of the Maubhandar Factory are getting less wages than the workers of Jamshedpur

Factory. Although the wage they are getting is Rs. 267 which was worked out in the month of February, 1974, they are getting a house-rent allowance of Rs. 7 as well as a food subsidy of Rs. 36 which come to Rs. 310.

श्री रामावतार शास्त्री : उपाध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने गलत जवाब दिया है। फूड सबसिडी पहले भी मिलती थी, जब कि उन लोगों के वेतन में केवल 5 रुपये का फर्क था। सरकार ने यह कोई नई बात नहीं की है—कोई कृपा नहीं की है। फूड सबसिडी उन को पहले भी मिल रही थी और आज भी मिलती है। मंत्री महोदय ने ठीक जवाब नहीं दिया है। इस लिए वह ठीक जवाब दें।

मंत्री महोदय ने अपने जवाब में कहा है कि हम ने अगस्त में रेकगनाइज्ड यूनियन के साथ समझौता-वार्ता कर के सेवा-शर्तों के बारे में एक समझौता किया था, जो 1975 तक चालू रहेगा, और अभी जिस यूनियन ने मांगें पेश की हैं और हड़ताल का नोटिस दिया है, वह यूनियन—इंडियन कापर कार्पोरेशन वर्कर्ज यूनियन, मऊभंडार एक रेकगनाइज्ड, मान्यता-प्राप्त यूनियन नहीं है। क्या यह सच है कि कुछ दिन पूर्व, यानी रेकगनाइज्ड यूनियनों के साथ समझौते के बाद, मजदूरों का रेफेरेंडम लिया गया था और ए० आई० टी० यू० सी० से सम्बन्धित इस इंडियन कापर कार्पोरेशन वर्कर्ज यूनियन के पक्ष में 74 फीसदी मजदूरों ने अपने मत दिये थे, यदि हां, तो क्या यह उचित है कि माइनारिटी की यूनियन के फैसले को बहुमत पर लादा जाये ? यदि यह उचित नहीं है तो फिर इंडियन कापर कार्पोरेशन वर्कर्ज यूनियन के साथ वार्ता कर के विवाद को तय करने में क्या कठिनाई है ?

SHRI SUBODH HANSDA : The recognition of the Indian Copper Corporation Workers Union was examined by the Bihar Standing Labour Committee in 1970 in accordance with the procedure prescribed in the Bihar Central Standing Labour Advisory Board's Regulation dated 11th March 1969. In January, 1971, the Joint Labour Committee of Bihar had intimated that the Indian Copper Corporation Workers Union had failed to get the prescribed support of the workers and hence they should not get recognition and that was why the Maubhandar Mazdoor Union should continue to be treated as the recognised union.

श्री रामावतार शास्त्री : मंत्री महोदय ने इस बात का जवाब नहीं दिया है कि क्या ए० आई० टी० यू० सी० से सम्बन्धित यूनियन को 74 फीसदी वोट मिले या नहीं। क्या 74 फीसदी और 26 फीसदी वोट में मंत्री महोदय को कोई फर्क नहीं मालूम पड़ रहा है ? जिस यूनियन को 74 फीसदी वोट मिले हैं, उस को तो रेकगनीशन नहीं दी जा रही है और उस से बातचीत नहीं की जा रही है और जिस यूनियन को 26 फीसदी वोट मिले हैं, उस को मान्यता दी गई है। मंत्री महोदय इस को सही बता रहे हैं। यह कहां का जनतंत्र है ?

MR. DEPUTY SPEAKER : He has made the point clear already. That should be enough

SHRI SUBODH HANSDA : We have no information about when the poll took place

SHRI JAGANNATH RAO : May I know how the scales of pay and emoluments compare with those paid to workers in Khetri and the Hindustan Copper Corporation ?

SHRI SUBODH HANSDA : The wages cannot be comparable as between one place and another, because the cost of living differs from place to place. It is true that the cost of living at Khetri is much lower than that at Maubhandar, and that is why the wages there are slightly lower than those paid at Maubhandar.

Expenditure on P.O.Ws. repatriated to Pakistan

*487. SHRI N. K. SANGHI : Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) the total amount that Government of India has spent on salary, pocket expenses and maintenance of the Pak POWs